# University in News on 22 April 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 5

## लखनऊ विवि : एनरोलमेंट नंबर और प्राप्तांक बिना भी भर सकेंगे परीक्षा फॉर्म

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड और रिजल्ट घोषित न होने वाले पाठ्यक्रमों के परीक्षा फॉर्म भरने में थोड़ी ढील दी है। ऐसे विद्यार्थी जिनका रिजल्ट नहीं निकला है वे अब बगैर प्राप्तांक और एनरोलमेंट नंबर के अपना परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। लविवि ने सेमेस्टर कक्षाओं के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तारीख छह मई निर्धारित की है। बैक पेपर वाले विद्यार्थियों में फंस सकता है पेंच : लविवि ने वैसे तो ज्यादातर कोर्स के रिजल्ट जारी कर दिए हैं, पर जिन कोर्स के रिजल्ट बचे हैं उनमें कुछ को समस्या हो सकती है। असल में लविवि के नियमों के अनुसार प्रथम सेमेस्टर में फेल होने के बावजूद विद्यार्थी दूसरे सेमेस्टर में प्रमोट हो जाता है। फेल होने वाले प्रश्नपत्रों को पास करने का मौका दिए बिना विद्यार्थी को क्लास में नहीं रोका जाता। अगले सेमेस्टर में भी फेल होने के बाद उसे पुरानी कक्षा में रोका जा सकता है। रिजल्ट जारी न होने से ऐसे विद्यार्थियों को समस्या हो सकती है कि वे परीक्षा फॉर्म भरें या नहीं।

## ई-कंटेंट में संभावित सवालों का भी रखें ध्यान

**लखनऊ।** ई-कंटेंट तैयार करते समय शिक्षकों को विद्यार्थियों के संभावित सवालों का ध्यान रखना भी जरूरी होता है। अपनी पाठ्यसामग्री में शिक्षक को इन संभावित सवालों का जवाब देना जरूरी होता है। लखनऊ विवि में मंगलवार को हुई वेब सेमिनार में शिक्षा संकाय के ई-कन्टेंट को लेकर हुई बैठक में डीन प्रो. अमिता बाजपेयी ने ये बात कही। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि इस असामान्य समय के दौरान शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए अभिनव समाधानों को अपनाया जा रहा है। छात्रों को प्रेरित और व्यस्त रखने के लिए उन तक पहुंचना महत्वपूर्ण है ताकि वे इस चुनौतीपूर्ण समय का उत्पादक तरीके से सामना कर सकें। शिक्षकों के लिए प्रभावी शिक्षण हेतु ई-सामग्री तैयार करने के लिये यह वेबिनार आयोजित की गई। लविवि की अतिरिक्त डीन अकादमिक सेल डॉ. किरण लता डंगवाल ने कहा कि प्रभावी ई-सामग्री प्रभावशीलता के साथ कम अवधि में व्यापक दर्शकों तक पहुंच सकती है। शिक्षा विभाग के प्रोफेसर दिनेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

NBT Page 3

लखनऊ विश्वविद्यालय ने साफ की स्थिति

## नहीं प्रमोट होंगे यूजी के स्टूडेंट्स, देनी होगी परीक्षा

■ **एनबीटी, लखनऊ:** कक्षा एक से लेकर आठवीं के बच्चों को लॉकडाउन की वजह से सरकार ने बिना एग्जाम के पास करने की घोषणा की थी। इसे लेकर लुआक्टा ने कुछ समय पहले उप मुख्यमंत्री से यूजी और पीजी स्टूडेंट्स को भी प्रमोट करने की मांग की थी। वहीं, इसे लेकर कुछ स्टूडेंट्स में भ्रम की स्थिति है कि लॉकडाउन की वजह से यूजी के स्टूडेंट्स को प्रमोट कर दिया जाएगा। इस पर एलयू प्रशासन ने साफ किया है कि बिना परीक्षा यूजी के स्टूडेंट्स को प्रमोट नहीं किया जाएगा। लॉकडाउन खुलने के बाद परीक्षाएं करवाई जाएंगी।

एलयू के प्रवक्ता दुर्गेश ने बताया कि एलयू में लॉकडाउन से अगली कक्षा की ऑनलाइन पढ़ाई शुरू की गई है, लेकिन बिना परीक्षा प्रमोट करने का किसी भी तरह का कोई निर्देश आया है। लॉकडाउन के बाद परीक्षाएं करवाई जाएंगी।

## ई-कंटेंट की उपयोगिता पर हुई चर्चा

■ **एनबीटी, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षकों के लिए ई-कंटेंट पर वेबिनार हुआ। इसमें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने ई-कंटेंट की उपयोगिता बताई।

प्रो. किरणलता डंगवाल ने इंटरेक्टिव सेशन किया। प्रो. अमिता बाजपेयी ने वर्तमान में वेबिनार के महत्व और उपयोगिता बताई। अतिरिक्त डीन अकैडमिक सेल डॉ. किरण लता डंगवाल ने बताया कि कैसे प्रभावी ई-कंटेंट की प्रभावशीलता के साथ कम समय में ज्यादा लोगों तक पहुंच सकती है।

PIONEER Page 4

## एलयू में ई-कंटेंट पर वेबिनार सम्पन्न

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को टीचर्स के लिए शिक्षण के लिए ई.कंटेंट पर वेबिनार सम्पन्न हुआ। ये वेबीनार शिक्षा विभाग की ओर से हुआ। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने टीचर्स को ई.कंटेंट की उपयोगिता बताई। इसके अलावा प्रो किरणलता डंगवाल ने इंटरेक्टिव सेशन किया। शिक्षा विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्ष प्रो. अमिता बाजपेयी ने वर्तमान में वेबिनार के महत्व और उपयोगिता बताई। एलयू की अतिरिक्त डीन अकादमिक सेल डॉ. किरण लता डंगवाल ने वर्तमान स्थिति में ई.कंटेंट की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे प्रभावी ई.कंटेंट की प्रभावशीलता के साथ कम समय में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच सकती है।